AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

विदेशी छात्रों को भा रही लखनऊ विवि की पढ़ाई

76 देशों के 2379 विद्यार्थियों ने दाखिले के लिए दिखाई रुचि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का परिसर देश के ही नहीं विदेशी छात्रों के मन को भी खूब भा रहा है। शैक्षिक सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया के तहत बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों ने दाखिले में रुचि दिखाई है। वर्तमान सत्र में लविवि से पढ़ाई करने के लिए 76 देशों के 2379 विदेशी छात्रों ने आईसीसीआर व अन्य संस्थाओं के जरिये आवेदन किया है, जो बीते वर्षों में सबसे अधिक है।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि में इस वर्ष भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के जरिये 2153 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं, स्टडी इन इंडिया व ईडीसीआईएल कार्यक्रमों के तहत 176, जबकि 50 आवेदक सीधे प्रवेश के लिए रुचि रखते हैं। अभी यह शुरुआती संख्या है। आवेदन प्रक्रिया जून के अंत तक जारी रहेगी।

प्रो. दुर्गेश के मुताबिक, लविवि विदेशी छात्रों के बौद्धिक, सामाजिक और व्यावसायिक विकास पर व्यक्तिगत ध्यान देता है। उन्हें बहुसांस्कृतिक कार्य परिवेश में समायोजन, सामाजिक-सांस्कृतिक अनुकूलन और कॅरिअर लक्ष्यों पर परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रावासों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग विशेष प्रबंध किए हैं। आरामदायक आवास सुनिश्चित करने के साथ ही हमारा फोकस उन्हें ऐसी शैक्षणिक प्रणाली में शामिल करना है जो वैश्विक दृष्टिकोण को महत्व देती है। हम विदेशी नागरिकों को प्रवेश देने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार एक सख्त स्क्रीनिंग प्रणाली का पालन करते हैं।

साल दर साल बढ़ रही आवेदनों की संख्या

विश्वविद्यालय को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में 1769 आवेदन प्राप्त हुए। सत्र 2023-2024 में 1365 और 2022-2023 में 814 आवेदन मिले। इसी तरह 2021-2022 में आवेदन की संख्या 637 रही।

इन देशों से मिले आवेदन

एलयू को करीब 76 देशों से आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें पोलैंड, फ्रांस, स्पेन, बेलारूस, रूस, सिएरा लियोन, अंगोला, बोत्सवाना, थाईलैंड, कंबोडिया, चाड, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, कजाखिस्तान, इराक, केन्या, लाओस, लेसोथो, मेडागास्कर, नेपाल, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सूडान, ताजिकिस्तान, तंजानिया, बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको और यूक्रेन जैसे देश शामिल हैं।

लविवि : 58 केंद्रों पर होगी बीएड की परीक्षा

चार जून को राष्ट्र गौरव परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर परीक्षा के तहत बीएड पाठ्यक्रम के परीक्षा केंद्रों की सूची घोषित कर दी है। विद्यार्थी वेबसाइट के परीक्षा कॉलम में जाकर इसे देख सकते हैं।

इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने सूचना जारी कर दी है। उन्होंने बताया कि विवि से संबद्ध चार जिलों के कॉलेजों में संचालित बीएड पाठ्यक्रम के लिए 58 परीक्षा और 18 नोडल केंद्र बनाए गए हैं। इन्हीं केंद्रों पर परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि लविवि और संबद्ध कॉलेजों में संचालित स्नातक पाठ्यक्रम में सत्र 2024-25 से राष्ट्र गौरव और पर्यावरण पाठ्यक्रम शामिल किया है, जिसकी परीक्षाएं घोषित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 4 जून को सुबह 11 से दोपहर 12.30 बजे तक निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कराई जाएंगी।

शिक्षिका पर आरोपों की होगी जांच

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्रा केकेसी पीजी कॉलेज में समाज शास्त्र विभाग की शिक्षिका पर समकक्षों से अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगा है। साथ ही छात्रों से जुड़ी शिकायतें आई हैं। इसका संज्ञान लेते हुए विवि प्रशासन ने उप प्राचार्य प्रो. केके शुक्ला की अध्यक्षता जांच समिति गठित की है। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब तक सबसे अधिक संख्या में विदेशी विद्यार्थियों ने दिखाई पढ़ने की दिलचस्पी

एलयू में 76 देशों से 2379 ने किया आवेदन

मिशन एडमिशन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय को शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के तहत विदेशी छात्रों के आवेदन में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। इस सत्र में एलयू से पढ़ाई करने के लिए 76 देशों के 2379 विदेशी छात्रों ने आवेदन किया है। जो बीते वर्षों में सबसे अधिक है। इसमें भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के जरिए 2153 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जबकि स्टडी इन इंडिया व ईडीसीआईएल कार्यक्रमों के तहत 176 और 50 आवेदक सीधे प्रवेश के लिए रुचि रखते हैं। अभी यह शुरूआती संख्या है, आवेदन प्रक्रिया जून के अंत तक जारी रहेगी।

प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि एलयू विदेशी छात्रों के बौद्धिक, सामाजिक और व्यावसायिक विकास पर व्यक्तिगत ध्यान देता है। उन्हें बहुसांस्कृतिक कार्य परिवेश में समायोजन, सामाजिक-सांस्कृतिक अनुकूलन और करियर लक्ष्यों पर परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करता है। भाषा और संवाद से जुड़ी समस्याओं का समाधान भी नियमित और विशेष रूप से डिजाइन की गई कार्यशालाओं के जरिए करता है। जिसका नतीजा है कि हर वर्ष विदेशी छात्रों के आवेदनों में बढ़ोतरी हो रही है।

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रावासों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग विशेष प्रबंध किए हैं। आरामदायक आवास सुनिश्चित करने के साथ ही हमारा फोकस उन्हें ऐसे शैक्षणिक प्रणाली में शामिल करना है जो वैश्विक दृष्टिकोण को महत्व देती है। हम विदेशी नागरिकों को प्रवेश देने के लिए मानदंडों के अनुसार सख्त स्क्रीनिंग प्रणाली का पालन करते हैं।

176 और 50 आवेदक सीधे प्रवेश के लिए रुचि रखते हैं, अभी यह शुरूआती संख्या है आवेदन प्रक्रिया जून तक जारी रहेगी

हर वर्ष बढ़ रही आवेदनों की संख्या

विश्वविद्यालय को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में 1769 आवेदन प्राप्त हुए। सत्र 2023-2024 में 1365 और 2022-2023 में 814 आवेदन मिले। इसी तरह 2021-2022 में आवेदन संख्या 637 थी।

इन देशों से प्राप्त हुए आवेदन

एलयू को लगभग 76 देशों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें पोलैंड, फ्रांस, स्पेन, बेलारूस, रूस, सिएरा लियोन, अंगोला, बोत्सवाना, थाईलैंड, कंबोडिया, चाड, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, कजाखिस्तान, इराक, केन्या, लाओस, लेसोथो, मेडागास्कर, नेपाल, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सूडान, ताजिकिस्तान, तंजानिया, बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको और यूक्रेन जैसे देश शामिल हैं।

हमने अपने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ढांचे में वैश्विक शिक्षा प्रदान करने की प्रणाली विकसित की है। पिछले पांच वर्षों में हमने अपने शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक संस्थानों के समकक्ष रूपांतरित किया है। यह वैश्विक स्तर पर लोगों तक पहुंच रहा है।

-प्रोफेसर आलोक कुमार राय, कुलपति, एलयू

एलयू में बीएड परीक्षा के लिए बनाए 58 केंद्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 सम सेमेस्टर परीक्षा के तहत बीएड पाठ्यक्रम के परीक्षा केंद्रों की सूची घोषित कर दी गई है। विद्यार्थी एलयू की वेबसाइट के परीक्षा कॉलम में जाकर देख सकते हैं। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक ने सूचना जारी की। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि एलयू से संबद्ध चार जिलों के कॉलेजों में बीएड के लिए 58 परीक्षा, 18 नोडल केंद्र बनाए।

राष्ट्र गौरव, पर्यावरण की परीक्षा चार को

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि एलयू और संबद्ध कॉलेजों में स्नातक में राष्ट्र गौरव और पर्यावरण पाठ्यक्रम शामिल किया है जिसकी परीक्षाएं चार जून को सुबह 11 से दोपहर 12.30 बजे तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर कराई जाएंगी। यह प्रश्न पत्र में पहले की तरह अधिकतम 100 अंकों का होगा, जिसमें 33 अंक प्राप्त होने पर उत्तीर्ण माना जाएगा।

TOI PAGE 1, 3

Lucknow Univ receives record 2,379 applications from foreign students

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: Lucknow University (LU) received a record 2,379 applications from foreign students for admissions to various courses in the 2025-26 academic session.

The figure has increased by over three times in the past five years.

In previous sessions, the university received 1,769 applications in 2024-25; 1,365 in 2023-24; 814 in 2022-23 and 637 in 2021-22.

"We are committed to offering international students a structured and inclusive academic environment. Over the past five years, we have aligned our educational practices with NEP to meet global benchmarks. Our efforts are reflected in the growing interest from students across the world. We have made arrangements for safe and comfortable accommodation in separate international hostels for boys and girls," LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai said

Of the 2,379 applications received so far, 2,153 came through the Indian Council for Cultural Relations (ICCR), 176 under the Study in India and EDCIL programmes, and 50 via direct admission.

The figures may rise further as the application window remains open till June end.

Applicants have sought admission to programmes across all faculties, including MBA, engineering, pharmacy and PhD courses.

▶ LU entices, P 3

PREFERRED DESTINATION

2025-26	2,379 (till mid-May; open till June end)
2024-25	1,769
2023-24	1,365
2022-23	814
2021-22	637

एआई लैब व कृत्रिम मेधा पर दी जानकारी

लखनऊ। लविवि के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में उत्तर प्रदेश एआई लैब्स (उपाय) की ओर से कृत्रिम मेधा और क्षेत्रीय बोलियां विषय पर जानकारी दी गई। संस्थापक अंकित कुमार पाल ने टीम के साथ बताया कि हिंदी तथा आठवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाओं में चैट जीपीटी में कार्य करना सुलभ है, लेकिन ग्रामीण जन को क्षेत्रीय भाषाओं में कार्य करना सुलभ नहीं है। एआई के संबंध में युवाओं के बीच भ्रांति है कि वह रोजगार खत्म कर देगी। उन्होंने कहा कि अगर हमने अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को आधुनिक तकनीक से नहीं जोड़ा तो अगली पीढ़ी इसे केवल किताबों के पन्नों में ही देख पाएगी। विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल आदि मौजूद रहे। (संवाद)

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि ने वैश्विक अकादमिक जगत में स्थापित किया नया कीर्तिमान

76 देशों से 2379 विदेशी छात्रों ने दिखाई रुचि

लखनऊ (एसएसबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने वैश्विक अकादमिक क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसमें विश्वभर से 2,379 आवेदकों ने रुचि दिखाई है, जो अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। विश्वविद्यालय को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के माध्यम से 2,153 आवेदन प्राप्त हुए हैं, स्टडी इन इंडिया और ईडीसीआईएल कार्यक्रमों के तहत 176 तक आवेदन प्राप्त हुए हैं और 50 आवेदक सीधे प्रवेश के अंतर्गत मिले हैं। आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया जून के अंत तक जारी रहेगी।

विश्वविद्यालय को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में 1,769 आवेदन प्राप्त हुए। गत 2023-2024 सत्र में 1,365 आवेदन और 2022-2023 में 814 आवेदन मिले थे। 2021-2022 सत्र में आवेदन संख्या 637 थी। यह लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। विश्वविद्यालय को लगभग 76 देशों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें पोलैंड, फ्रांस, स्पेन, बेलारूस, रूस, सिएरा लियोन, अंगोला, बोत्सवाना, थाईलैंड, कंबोडिया, चाड, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, कजाखिस्तान, इराक, केन्या, लाओस, लेसोथो, मेडागास्कर, नेपाल, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सूडान, ताजिकिस्तान, तंजानिया, बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको और यूक्रेन जैसे देश शामिल हैं।

PIONEER PAGE 3

पत्रकार की लेखनी में भारत निर्माण का भाव होना आवश्यक: सुभाष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एक पत्रकार सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना के साथ पत्रकारिता करके लोकमंगल का आह्वान करता है। पत्रकार अपनी कार्यशैली से समाज का मार्गदर्शन करने का कार्य करता है। उसकी लेखनी में भारत निर्माण का भाव होना चाहिये। ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष ने प्रकट किये। वे विश्व संवाद केन्द्र लखनऊ तथा पत्रकारिता व जनसंचार विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित लोकमंगल की पत्रकारिता एवं राष्ट्रधर्म विषयक विचार गोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। सुभाष ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि पत्रकार एक योद्धा होता है। वह देश और समाज के विकास कार्य में अपने जीवन को गलाता है। आद्य पत्रकार देवर्षि नारद पौराणिक काल में एक आदर्श पत्रकार की भूमिका निभाते हुये संदेश का सम्प्रेषण करते थे। मगर उन्हें एक विदूषक की भांति फिल्मों में प्रचारित किया गया। उन्होंने वर्तमान में की जा रही पत्रकारिता का उल्लेख करते हुये कहा कि एक पत्रकार की लेखनी में भारत निर्माण का भाव होना चाहिये। उसे अपनी लेखनी से सदैव ही लोकमंगल की कामना करनी चाहिये। अंत में उन्होंने कहा कि रामचरितमानस में भी नारद जी का वर्णन आते ही तुलसीदास जी ने उनकी व्याख्या एक कोमल हृदय वाले व्यक्ति के समान की है। अत: एक पत्रकार का हृदय कोमल होना चाहिये ताकि वह भाव समझ सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक राय ने कहा कि पत्रकारिता में जवाबदेही का होना बहुत आवश्यक है। बिना जवाबदेही के किया समाचार लेखन व प्रसारण मात्र समाचार का सम्प्रेषण है, पत्रकारिता नहीं। उन्होंने कहा कि आज भी कई बार विश्वविद्यालय में व्याप्त समस्याओं की जानकारी हमें समाचार पत्रों के माध्यम से होती है, उस समस्या को दूर करने का कार्य किया जाता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में एलयू में कई प्रकार के विकास कार्य हुये जो शहर और प्रदेश के लिये गौरव का विषय बने। उन्होंने बताया कि विदेशी छात्रों का कैम्पस में पंजीकरण बढ़ा है।

i-NEXT PAGE 6

विदेश में भी बढ़ रही एलयू की धमक

विदेशी छात्रों की संख्या एलयू में लगातार बढ़ रही है

छात्रों का समग्र विकास हमारा उद्देश्य

LUCKNOW (17 May): लखनऊ यूनिवर्सिटी की ख्याति विदेशों में भी बढ़ रही है. इस साल बीते सालों की तुलना में ज्यादा विदेशी स्टूडेंट्स ने एडमिशन में इंटरेस्ट दिखाया है. यूनिवर्सिटी को आईसीसीआर यानी भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के माध्यम से 2153 आवेदन प्राप्त हुए हैं, स्टडी इन इंडिया और ईडीसीआइएल कार्यक्रमों के तहत 176 तक आवेदन प्राप्त हुए हैं. इसके साथ ही 50 आवेदक ऐसे हैं, जो सीधे एडमिशन लेने में इंटरेस्टेड हैं.

76 देशों से मिले आवेदन

यूनिवर्सिटी को इस साल लगभग 76 देशों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें पोलैंड, फ्रांस, स्पेन, बेलारूस, रूस, सिएरा लियोन, अंगोला, बोत्सवाना, थाईलैंड, कंबोडिया, चाड, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, कजाखिस्तान, इराक, केन्या, लाओस, लेसोथो, मेडागास्कर, नेपाल, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सूडान, ताजिकिस्तान, तंजानिया, बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको और यूक्रेन जैसे देश शामिल हैं.

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि हमारा फोकस उन्हें ऐसी शैक्षणिक प्रणाली में सम्मिलित करना है जो वैश्विक दृष्टिकोण को महत्व देती है और शिक्षार्थी के समग्र विकास में निहित है. हम विदेशी नागरिकों को प्रवेश देने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार एक सख्त स्क्रीनिंग प्रणाली का पालन करते हैं. यूनिवर्सिटी विदेशी छात्रों के बौद्धिक, सामाजिक और व्यावसायिक विकास पर व्यक्तिगत ध्यान देता है. भाषा और संवाद से संबंधित समस्याओं का समाधान भी नियमित और विशेष रूप से डिजाइन की गई कार्यशालाओं के माध्यम से किया जाता है.

LU's supportive academic setup draws global students

Applicants Represent 76 Countries

Anjanaya Singh | TNN

Explaining the reasons, LU officials said the university entices international students with a clear, supportive academic setup

Lucknow: The Lucknow University received a record 2,379 applications from foreign students for admissions to various courses in the 2025-26 academic session. The figure has increased by over three times in the past five years.

Applicants represent about 76 countries, including Poland, France, Spain, Belarus, Russia, Sierra Leone, Angola, Botswana, Thailand, Cambodia, Chad, Egypt, Ethiopia, Indonesia, Iran, Kazakhstan, Iraq, Kenya, Laos, Lesotho, Madagascar, Nepal, Nigeria, South Africa, Sri Lanka, Sudan, Tajikistan, Tanzania, Bangladesh, Vietnam, Mexico and Ukraine.

For the first time, applications have been received from students in Poland and Taiwan. Explaining the reasons behind this surge, LU officials said the university entices international students with a clear, supportive academic setup.

"By updating its programmes to match the National Education Policy, the university has raised its global profile and received more applications from abroad. International students enjoy secure, comfortable housing in separate hostels for boys and girls. Beyond academics the university helps newcomers settle in through regular counselling and workshops on language, communication, and cultural adaptation. Every application follows govt rules, ensuring a fair and transparent process," an official said.

"Alongside academics, we focus on helping students adjust to a multicultural setting through regular counselling and workshops that address language, communication and social integration. Every application is screened according to govt norms to ensure transparency and compliance," the university vice-chancellor said.

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय की वैश्विक उड़ान

विदेशी विद्यार्थियों की रुचि ने रचा इतिहास प्रवेश के लिए 76 देशों से आए 2379 आवेदन

जागरण संवाददाता • लखनऊ : एक शताब्दी से देश में उच्च शिक्षा का प्रतिष्ठित केंद्र लखनऊ विश्वविद्यालय अब वैश्विक मंच पर एक नई पहचान गढ़ रहा है। बीते कुछ वर्षों में इस ऐतिहासिक संस्थान ने जिस गति से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी साख बनाई है, वह न केवल प्रशंसनीय है बल्कि प्रेरणादायक भी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय को अब तक 76 देशों से कुल 2379 विदेशी विद्यार्थियों के आवेदन आए हैं। यह संख्या लविवि के इतिहास में अब तक की सर्वाधिक है। यह इस बात का प्रमाण भी कि संस्थान अब वैश्विक छात्र-छात्राओं के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुकी है।

बीते चार वर्षों के आंकड़े इस विकास को और स्पष्ट करते हैं। यहां 2021-22 में 637 आवेदन मिले तो 2022-23 में यह संख्या 814 तक पहुंची। 2023-24 में 1365 और 2024-25 में 1769 आवेदन मिले अब 2025-26 में आए 2379 आवेदनों ने एक रिकार्ड बना दिया। यह न केवल संख्यात्मक वृद्धि है, बल्कि यह विश्वविद्यालय को शैक्षणिक गुणवत्ता, वैश्विक दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण भी है। इस परिवर्तनशील यात्रा के केंद्र में हैं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, जिनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक ढांचे, पाठ्यक्रमों और अधोसंरचना को वैश्विक मानकों के अनुरूप रूपांतरित किया है। उनका कहना है, 'हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप एक ऐसी प्रणाली विकसित की है जो शिक्षार्थी को वैश्विक दृष्टिकोण और समग्र विकास का अवसर देती है।' भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के माध्यम से लविवि को 2,153 आवेदन मिले हैं, जबकि स्टडी इन इंडिया और ईडीसेआईएल जैसे सरकारी कार्यक्रमों के तहत 176 आवेदन मिले हैं। इसके अतिरिक्त, 50 विदेशी विद्यार्थियों ने सीधे प्रवेश के लिए रुचि दिखाई है। आवेदन की प्रक्रिया जून के अंत तक जारी रहेगी। विश्वविद्यालय को जिन देशों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, उनमें पोलैंड, फ्रांस, स्पेन, रूस, मिस्र, थाईलैंड, केन्या, बांग्लादेश, श्रीलंका, मैक्सिको, यूक्रेन जैसे देश प्रमुख हैं। यह विविधता लविवि के वैश्विक आकर्षण को स्पष्ट करती है। अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय ने विशेष छात्रावास, भाषा कार्यशालाएं, सांस्कृतिक अनुकूलन सत्र और व्यक्तिगत करियर मार्गदर्शन जैसी अनुविचारां विकसित की हैं। प्रवेश में निर्धारित मापदंडों के अनुसार कठोर स्क्रीनिंग प्रणाली अपनाई जाती है।

ये भी हैं उपलब्धियां

- नैक ए प्लस प्लस यूजीसी ग्रेड दान
- केंद्र सरकार की ओर से पीएम उच्च के तहत 100 करोड़ की ग्रांट का अनुमोदन
- सत्र 2024-2025 में अकादमिक विस्तार और वैश्विक रैंकिंग में उल्लेखनीय प्रगति
- यूनीरैंक 2024 में लवि भारत के सभी शैक्षणिक संस्थानों में 41वें स्थान, समान्य विश्वविद्यालयों में 16वें स्थान पर।
- आइआइआरएफ रैंकिंग्स में विश्वविद्यालय को बीवीए कार्यक्रम में 22वां, एमबीए में 38वां स्थान, कानून में 25वां स्थान मिला।
- एनआइआरएफ रैंकिंग 2024 में सभी विश्वविद्यालयों में 97वां स्थान, राज्य विश्वविद्यालयों में 32वां और कानून के क्षेत्र में 28वां स्थान।

मुझे लखनऊ विश्वविद्यालय में आकर पढ़ना था। यहां के लोग काफी मददगार हैं। पहले हिंदी बहुत कम आती थी। विद्यार्थियों ने सहयोग किया। अकादमिक माहौल अच्छा है। प्रतिष्ठा, रीकग्नेन का माहल और रैंकिंग-मुक्त संस्थान होने की वजह से भी इसे चुना।

- ग्या प्रिट पपु, छात्रा, यूजी, ग्यांगर

मैं योग की पढ़ाई के लिए यहां आया, क्योंकि भारत योग का जन्मक देश है। लवि के पाठ्यक्रम में योग के भौतिक पहलुओं के साथ दर्शन, शरीर रचना, प्राणायाम, ध्यान और प्राकृतिक उपचार विधियों को शामिल किया गया है। परिसर का माहौल प्रेरणादायक और समदेशी दोनों है।

-स्टेनिस्लाव करौसेव, विद्यार्थी रूस

विदेशी छात्रों की संख्या में वृद्धि का मुख्य कारण लवि की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और उच्च गुणवत्तापरक शिक्षा है। यहां सिंगल विंडो सिस्टम में विदेशी छात्रों के लिए सुविधाएं है। कोर्सों की विविधता, उत्कृष्ट अकादमिक सुविधाओं ने विद्यार्थियों को आकर्षित किया है।

-प्रो. आरपी सिंह, अंग्रेजी विभाग

लवि 2025-26 में सर्वाधिक विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने वाला उत्तर भारत का पहला संस्थान है। अपने एनईपी के ढांचे में वैश्विक शिक्षा देने की प्रणाली विकसित करने, शैक्षणिक परिस्थितिकी तंत्र को वैश्विक संस्थानों के समकक्ष रूपांतरित किया।

-प्रो. आलोक राय, कुलपति, लवि

'जन सरोकार से नाता टूटा तो समाप्त हो जाएगी पत्रकारिता'

जागरण संवाददाता • लखनऊ : पत्रकारिता मिशन के रूप में शुरू हुई। बाद में प्रोफेशन भी बन गई, किंतु जन सरोकार से नाता आज भी है। जिस दिन सरोकारों से नाता टूटेगा, उस दिन पत्रकारिता नहीं जएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में शनिवार को 'लोक मंगल की पत्रकारिता एवं राष्ट्रधर्म' पर चर्चा छिड़ी तो मीडिया से लेकर देश और लोक कल्याण तक पर बातें हुईं। वक्ताओं ने राष्ट्र के निर्माण और प्रगति में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश भी डाला।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व विश्व संवाद केंद्र की ओर से आद्य पत्रकार देवर्षि नारद की जयंती पर आयोजित गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण कुमार ने कहा, 'इसमें कोई दो राय नहीं कि देवर्षि नारद आद्य पत्रकार थे। तब संचार का उद्देश्य ब्रह्मांड का कल्याण था। उन्होंने आज की पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में कहा, 'हम तथ्यों को छिपाते नहीं, किंतु कई बार कौन सा सच दिखाना है, इस पर संपादकीय विमर्श करते हैं। राष्ट्र की सुरक्षा या किसी की निजता से जुड़े समाचारों में ऐसा करना पड़ता है।' अध्यक्षता कर रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, 'एंटरनेट, स्मीकर, माइक और कैमरा ने आज हर किसी को पत्रकार बना दिया है। ऐसे लोगों को जिम्मेदारी और जवाबदेही क्या है? यदि लोग कुछ भी लिखेंगे तो सूचना के संप्रेषण का भाव बदल जाएगा। बहुत लोग जिम्मेदार हो सकते हैं, किंतु जवाबदेह हर कोई नहीं होता। जवाबदेह पत्रकारिता ही किसी को पत्रकार बनाती है और वही लोकमंगल करता है!' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष ने विषय पर प्रकाश डाला। कहा, 'पत्रकार चौदा, सचक और संन्यासी होता है।' हनुमान प्रसाद पोद्दार, नरेंद्र मोहन और गुलशन कुमार आदि का दृष्टांत देते हुए कहा, 'पत्रकार के प्रति सचक विश्वास होना चाहिए।' मुख्य अतिथि दैनिक जागरण के राज्य संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल ने कहा, 'हम आईना दिखाने वाले लोग हैं, लेकिन अपनी सीमा का अतिक्रमण करते हैं तो समाज में रहते हुए भी समाज से विरक्त रहते हैं। हमें चाहिए कि हम लोक मंगल की पत्रकारिता करें। लोकमंगल और राष्ट्रधर्म लगभग एक ही हैं। यदि राष्ट्रधर्म का निर्वाहन करेंगे तो इससे लोकमंगल सधेगा। अथव प्रांत प्रचार प्रमुख डा. अशोक दुबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इससे पहले विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष नरेंद्र भदौरिया व अतिथियों ने डा. सौरभ मालवीय की पुस्तक 'भारतीय पत्रकारिता के स्वर्णिम हस्ताक्षर' पुस्तक का विमोचन किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग एवं विश्व संवाद केंद्र द्वारा देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर लवि के मालवीय सभागार में आयोजित संगोष्ठी में मौजूद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय सहा मे(बाएं से) वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण कुमार, विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष नरेंद्र भदौरिया, आरएसएस के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष व प्रांत प्रचार प्रमुख प्रथम डा. अशोक दुबे •

- आद्य पत्रकार देवर्षि नारद की जयंती पर लखनऊ विश्वविद्यालय में गोष्ठी
- अतिथियों ने राष्ट्र को बताया सर्वाधिर, सरोकारों की पत्रकारिता पर दिशा बल

बीएड सम सेमेस्टर परीक्षा केंद्रों की प्रस्तावित सूची जारी

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए शनिवार को परीक्षा केंद्रों की प्रस्तावित सूची जारी कर दी है। इसके लिए लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली, लखीमपुर खीरी व हरदोई जिले को मिलाकर 57 केंद्र और 18 नोडल केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने इन केंद्रों पर 19 मई को शाम पांच बजे तक ई-मेल coe@lkouniv.ac.in अथवा वाट्सएप नंबर 7991200506 पर सुझाव उपलब्ध करा सकते हैं।

राष्ट्रगौरव की परीक्षा चार को : लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रगौरव एवं एनवायरमेंट स्टडीज (रेगुलर व ओल्ड) पाठ्यक्रम की परीक्षा की तिथि तय कर दी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी सूचना के अनुसार बीए, बीवीए, बीएजेएमसी, बीएचएससी, बी.एससी एग्रीकल्चर, बी.काम, बी.काम आनर्स, बी.वाक, बीवीए और बीवीए (टी) के लिए यह परीक्षा चार जून को सुबह 11 से 12:30 बजे तक होगी।

AMRIT VICHAR PAGE 07

76 देशों के 2379 छात्रों ने दिखाई लविवि में रुचि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वैश्विक अकादमिक जगत में कायम किया नया कीर्तिमान
- जून तक आवेदन प्रक्रिया रहेगी जारी

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने वैश्विक अकादमिक क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसमें विश्वभर से 2379 छात्रों ने रुचि दिखाई है।विश्वविद्यालय में इस शैक्षणिक सत्र में 2379 विदेशी छात्रों की अभूतपूर्व रुचि देखी गई है, जो अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। विश्वविद्यालय को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के माध्यम से 2153 आवेदन प्राप्त हुए हैं, स्टडी इन इंडिया और ईडीसीआईएल कार्यक्रमों के तहत 176 तक आवेदन प्राप्त हुए हैं, और 50 छात्रों ने सीधे प्रवेश के अंतर्गत रुचि रखते हैं। आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया जून के अंत तक जारी रहेगी।

हमने अपने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के ढांचे में वैश्विक शिक्षा प्रदान करने की प्रणाली विकसित की है। पिछले